No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-15

01165

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से ***किन्हीं दो*** की सन्दर्भ एवं प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए। **2x10=20**

(क) कोई भी अक्लमंद यह पसंद न करेगा कि चरवाहा पड़ा सोता हो और भेड़िया उसके गोल में रहे। होशियारी से दरवेशों-मुहताजों का ख्याल रख। इसलिए की रियाया की बदौलत ही बादशाह ताजदार होता है। रियाया जड़ की तरह है और बादशाह दरख्त की तरह और दरख़्त जड़ से ही मज़बूत होता है। ऐ मेरे प्यारे बेटे, जहाँ तक बन सके, रियाया का दिल मत दुखाना और अगर तू ऐसा करेगा तो अपनी जड़ खोदेगा। बेटा, अगर तुझे नेक राह की जरूरत है तो तेरे सामने फकीरों-परहेजगारों का रास्ता खुला पड़ा है।

(ख) तुम जानते हो, वह तो सब से मिलता-जुलता रहता है। कह रहा था, ब्रिटिश ब्यूरोक्रैट, एटली और माउंटबैटन की स्कीम से खुश नहीं हैं। वे दिखा रहे हैं कि हिन्दुस्तान को सेल्फ गवर्नमेंट देना मूर्खता है। अंग्रेज खूब जानते हैं, पार्टीशन से दोनों भाग लँगड़े हो जायेंगे? अब तक तो देश का विकास इकाई के तौर पर हुआ है। अब पाकिस्तान इण्डस्ट्रियल गुड्स (औद्योगिक सामान) के लिये तरसेगा, शेष भाग कच्चे माल के लिये। बड़ा क्लेवर मूव (गहरी चाल) है। पश्चिम, पंजाब की रुई, दूसरी पैदावार और पूर्वी बंगाल का जूट कहाँ जायेंगे, ब्रिटेन में न! इससे उनके मरते उद्योग जरा जिन्दा हो सकेंगे।

(ग) टेकनीक पर ज्यादा जोर वही देता है जो कहीं न कहीं अपरिपक्व होता है, जो अभ्यास कर रहा है, जिसे उचित माध्यम नहीं मिल पाया, लेकिन फिर भी टेकनीक पर ध्यान देना बहुत स्वस्थ प्रवृत्ति है। बशर्ते वह अनुपात से अधिक न हो।

(घ) अंग्रेजों के जमाने में वे अंग्रेजों के लिए श्रद्धा दिखाते थे। देसी हुकूमत के दिनों में वे देसी हाकिमों के लिए श्रद्धा दिखाने लगे। वे देश के पुराने सेवक थे। पिछले महायुद्ध के दिनों में जब देश को जापान से खतरा पैदा हो गया था, उन्होंने सुदूर-पूर्व में लड़ने के लिए बहुत से सिपाही भर्ती कराए। अब जरूरत पड़ने पर रातोंरात वे अपने राजनीतिक गुट में सैकड़ों सदस्य भरती करा देते थे।

2. 'झूठा सच उपन्यास अपने युग और समाज की महाकाव्यात्मक अभिव्यक्ति है। इस कथन पर विचार कीजिए। 10

3. 'रागदरबारी' का व्यंग्य भाषा का विवेचन कीजिए। 10

4. उपन्यास-कला की दृष्टि से 'सूरज का सातवां घोड़ा' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. 'जिन्दगीनामा' उपन्यास में कृष्णा सोबती ने अपनी सहज जीवन दृष्टि से प्रभावी नारी चरित्र सृजित किए हैं-विचार कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियां लिखिए। 2x5=10

(क) जयदेव पुरी का व्यक्तित्व

(ख) जिन्दगीनामा का भाषिक-वैशिष्ट्य

(ग) सत्ती की चारित्रिक विशेषताएं

(घ) 'राग दरबारी' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता